

इंटरनेट

मानक

Disclosure to Promote the Right To Information

Whereas the Parliament of India has set out to provide a practical regime of right to information for citizens to secure access to information under the control of public authorities, in order to promote transparency and accountability in the working of every public authority, and whereas the attached publication of the Bureau of Indian Standards is of particular interest to the public, particularly disadvantaged communities and those engaged in the pursuit of education and knowledge, the attached public safety standard is made available to promote the timely dissemination of this information in an accurate manner to the public.

“जानने का अधिकार, जीने का अधिकार”

Mazdoor Kisan Shakti Sangathan

“The Right to Information, The Right to Live”

“पुराने को छोड़ नये के तरफ”

Jawaharlal Nehru

“Step Out From the Old to the New”

IS 9632 (1980): Code of practice for operation and preventive maintenance of crop protection equipment (Hindi)
[FAD 21: Farm Implements and Machinery]



“ज्ञान से एक नये भारत का निर्माण”

Satyanarayan Gangaram Pitroda

“Invent a New India Using Knowledge”



“ज्ञान एक ऐसा खजाना है जो कभी चुराया नहीं जा सकता है”

Bhartrhari—Nitiśatakam

“Knowledge is such a treasure which cannot be stolen”

BLANK PAGE



IS : 9632 - 1980
(अंग्रेजी से अनूदित)

भारतीय मानक
फसल संरक्षण उपकरणों के इस्तेमाल
और उनके एहतियाती रखरखाव
की रीति संहिता

यू डी सी 631.34.004 : 006.76



© कापीराइट 1981

भारतीय मानक संस्था
मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली 110002

IS : 9632 - 1980
(अंग्रेजी से अनूदित)

भारतीय मानक

फसल संरक्षण उपकरणों के इस्तेमाल और उनके एहतियाती रखरखाव की रीति संहिता

फसल सुरक्षा उपकरण विषय समिति, ए एफ डी सी 43

अध्यक्ष	प्रतिनिधान
डा. सी. पी. सिंह	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
सदस्य	
डा. डी. एस. वधवा (डा. सी. पी. सिंह के विकल्पी)	कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ
श्री आर. के. अग्रवाल	दि सिगमा स्टील इंडस्ट्रीज (रजि.), लुधियाना
श्री आर. सी. गोयल (विकल्पी)	कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग), नई दिल्ली
श्री कृष्ण कुमार मंगल	यांत्रिक इंजीनियर अनुसंधान और विकास संगठन (सी. एस. आई. आर.), लुधियाना
श्री जगदीश चन्द्र (विकल्पी)	स्टेट फार्मस कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., नई दिल्ली
डा. के. कृष्णमूर्ति	एन. दास एंड संस प्रा. लि., कलकत्ता
डा. जी. एन. भारद्वाज (विकल्पी)	रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (रक्षा मंत्रालय), कोनपुर
श्री सी. एल. गर्ग	तकनीकी विकास महानिदेशालय (उद्योग मंत्रालय), नई दिल्ली
श्री आर. निगम (विकल्पी)	
श्री आर. के. गुप्ता	
श्री एन. डी. दास	
श्री सी. डी. द्विवेदी	
श्री एम. जी. चटर्जी (विकल्पी)	
श्री एस. नाग	

(आगे पृष्ठ 2 पर)

© कापीराइट 1981

भारतीय मानक संस्था

यह प्रकाशन भारतीय कापीराइट अधिनियम (1957 के 14) के अधीन सुरक्षित है, और प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इसका किसी भी रूप में पूर्ण अथवा आंशिक उद्धरण कापीराइट अधिनियम का उल्लंघन माना जाएगा ।

IS : 9632 - 1980

(पृष्ठ 1 से आगे)

सदस्य

प्रो. ए. सी. पंड्या
डा. एन. एस. एल. श्रीवास्तव (विकल्पी)
श्री एल. एस. पटेल
श्री आई. बुरहानुद्दीन
श्री ओ. एस. नटराजन (विकल्पी)
श्री एस. के. मिश्रा
वरिष्ठ परीक्षण इंजीनियर (विकल्पी)
श्री सी. रामदास
श्री एम. मसीह (विकल्पी)
श्री आर. एल. रजक

डा. बी. सी. एस. शास्त्री (विकल्पी)
डा. बी. एल. वत्तल
श्री जी. सी. जोशी (विकल्पी)
श्री बी. सी. एस. शास्त्री
श्री ओ. डी. संगर
श्री के. जी. समनोत्रा
डा. बी. एस. सिरोही
श्री टी. पूर्णानन्दम
निदेशक (कृषि एवं खाद्य)

प्रतिनिधान

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
अमरीकन स्प्रिंग एंड प्रेसिंग वर्क्स लि., बम्बई
शॉ वैलेस एंड कं. लि., मद्रास

ट्रैक्टर प्रशिक्षण एवं परीक्षण केन्द्र (कृषि मंत्रालय), बुदनी
केन्द्रीय भंडार निगम, नई दिल्ली

पादप सुरक्षा, संगरोध और भंडार महानिदेशालय (कृषि मंत्रालय), फरीदाबाद

राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान, दिल्ली

सेंट्रल प्लांट प्रोटेक्शन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, हैदराबाद
राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली
पूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, (आई सी एआर), नई दिल्ली
महानिदेशक, भा. मा. संस्था (पदेन सदस्य)

सचिव

श्री आर. एन. शर्मा
उपनिदेशक (कृषि एवं खाद्य), भा. मा. संस्था

हिन्दी अनुवाद उपसमिति, का स 5 : 1

संयोजक

डा. रणवीर रांग्रा
डा. एन. के. व्यास (डा. रांग्रा के विकल्पी)
केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (शिक्षा मंत्रालय), नई दिल्ली

सदस्य

श्री काशीराम शर्मा
डा. जगदीश चन्द्र मूना
श्री तुरशन पाल पाठक

श्री रमेशदत्त शर्मा
श्री वेदप्रकाश अरोड़ा
डा. एस. एम. प्रधान (विकल्पी)
श्री गंगाप्रसाद श्रीवास्तव,
(सदस्य सचिव)

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (गृह मंत्रालय), नई दिल्ली
हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
प्रकाशन एवं सूचना निदेशालय (सी एस आई आर), नई दिल्ली
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
आकाशवाणी, नई दिल्ली
भारतीय मानक संस्था महानिदेशालय

(आगे पृष्ठ 19 पर)

भारतीय मानक

फसल संरक्षण उपकरणों के इस्तेमाल और उनके एहतियाती रखरखाव की रीति संहिता

0. प्राक्कथन

0.1 यह भारतीय मानक जिसके मसौदे को फसल संरक्षण उपकरण विषय समिति ने अंतिम रूप दिया और जिसका अनुमोदन कृषि एवं खाद्य उत्पाद विभाग परिषद द्वारा किया गया, दिनांक 17 नवम्बर 1980 को भा. मा. संस्था द्वारा ग्रहण किया गया।

0.2 कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कीटनाशक पदार्थों का उपयोग देश में दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इन कीटनाशक पदार्थों का सही ढंग से उपयोग करने में उपकरणों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। यद्यपि विभिन्न फसल संरक्षण उपकरणों पर ऐसे कई भारतीय मानक (देखें परिशिष्ट ए) प्रकाशित किए गए हैं जिनमें उनके गुणता संबंधी विभिन्न लक्षण निर्धारित किए गए हैं, फिर भी प्रायः यह देखा गया है कि अच्छी गुणता वाले उपकरण भी प्रभावशाली ढंग से तब तक काम नहीं कर पाते जब तक उन उपकरणों का उपयोग सही ढंग से न किया जाए और उनका रखरखाव ठीक ढंग से न होता हो। अतः जो लोग फसल संरक्षण उपकरणों के इस्तेमाल और उनके निरीक्षण के कार्य से सम्बद्ध हैं उन्हें इन उपकरणों का इस्तेमाल करने, धरने-उठाने, सावधानी बरतने तथा उनकी देखभाल और रखरखाव की पूरी जानकारी दी जानी चाहिए। यह मानक इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए तैयार किया गया है।

0.3 इस मानक को तैयार करने में केन्द्रीय पादप सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान (कृषि मंत्रालय) हैदराबाद से पर्याप्त सहायता प्राप्त हुई है।

इस मानक को समझने में आसानी हो इस दृष्टि से पृष्ठ 18 पर हिन्दी-अंग्रेजी शब्द-सूची दी गई है।

1. विषय क्षेत्र

1.1 इस मानक में फसल संरक्षण उपकरणों को इस्तेमाल करने और उनके एहतियाती रखरखाव के बारे में मार्गदर्शन संबंधी बातें दी गई हैं।

IS : 9632 - 1980

टिप्पणी : इस मानक में कीटनाशक पदार्थों के हवाई छिड़काव से सम्बन्धित उपकरण सम्मिलित नहीं किये गए हैं।

2. शब्दावली

2.1 इस मानक के लिए विभिन्न भारतीय मानकों (देखें परिशिष्ट ए) में दी गई परिभाषा के अतिरिक्त भारतीय मानक IS : 8480-1977* में दी गई शब्दावली लागू होगी।

3. उपकरण खरीदते समय जाँचने योग्य बातें

3.1 उपकरण खरीदते समय निम्नलिखित बातों की जाँच की जानी चाहिए :

- क) उपकरण में कोई भी कमी न हो,
- ख) उपकरण पर किसी प्रमाणन एजेंसी जैसे भा. मा. संस्था (आई एस आई) की मुहर लगी हो या अन्य स्वतंत्र प्राधिकरण द्वारा उसका परीक्षण किया गया हो।
- ग) उपकरण को इस्तेमाल करने और उसके रखरखाव और सर्विस करने से संबंधित पुस्तिका में दी गई हिदायतें सरल हों और यथासंभव स्थानीय भाषा में हों,
- घ) उपकरण संबंधी औजार और उसके सहायक पुर्जे, यदि कोई हो, तो वे निर्माता/विक्रेता द्वारा दिए गए हों,
- ङ) उपकरणों की बिक्री के बाद सेवा की सुविधा जिला स्तर पर विक्रेता/डीलर/निर्माता द्वारा सरलता से प्राप्य हो।

3.2 खरीदार को चाहिए कि वह उपकरण के विभिन्न नियंत्रणों और उसके इस्तेमाल की जानकारी प्राप्त कर ले।

3.3 खरीदने से पहले उपकरण को खाली चलाकर देख लें और उसको काम में लेकर भी देख लें कि वह ठीक काम कर रहा है और उसके विभिन्न पुर्जे आसानी से चल रहे हैं।

4. प्रशिक्षण और जानकारी

4.1 सामान्यतः कृषि कामगार उपकरणों को चलाने और उनके नियंत्रण की विधि को भली भाँति नहीं जानते अतः यह निश्चय कर लेना चाहिए कि प्रत्येक कामगार उपकरण को सुरक्षात्मक ढंग से उपयोग करना जानता है और वह विशेषकर निम्नलिखित के सम्बन्ध में सावधानियाँ रख सकता है :

- क) शक्ति-चालित उपकरणों के संबंध में गति प्रेरक (प्राइम मूवर) को चलाने और बंद करने की विधि,
- ख) काम करने के दौरान सामान्य रूप से उत्पन्न होने वाले खतरे,

*Glossary of terms relating to crop protection equipment.

ग) नियंत्रणों के गलत उपयोग और असावधानी के कारण उत्पन्न होने वाली कठिनाइयाँ, और

घ) काम के दौरान नशीली वस्तुओं के सेवन से उत्पन्न कठिनाइयाँ ।

5. उपकरणों के इस्तेमाल से पूर्व कार्य

5.1 उपकरणों के स्नेहन, परिचालन और रखरखाव के संबंध में निर्माता द्वारा दी गई हिदायतें सावधानीपूर्वक पढ़ ली जाएँ और उसके अनुसार कार्य किए जाएँ ।

5.2 आम तौर पर यह देख लिया जाए कि उपकरण में कोई टूट-फूट न हो और उसके पुर्जों ढीले न हों । छिड़काव उपकरण को पानी से भर कर चलाकर देख लिया जाये कि वह रिसता या टपकता तो नहीं है और सही ढंग से काम करता है ।

5.3 उपकरणों में केवल वे ही कीटनाशक दवाएं उपयोग की जाएँ जिनके लिए उपकरण बनाया गया है । उपकरणों में उपयोग की जाने वाली भुरकाव सामग्री पूरी तरह से सूखी और अच्छी तरह छनी हुई हो ।

5.4 प्रति हेक्टेयर भूमि पर रासायनिक पदार्थों की सही मात्रा के छिड़काव के लिए उपकरण को वांछित निशान पर सेट (कैलीब्रेशन) कर लेना चाहिए । प्रत्येक प्रकार की भुरकाव सामग्री के लिए भुरकाव यंत्र को वांछित निशान पर सेट कर लें ।

5.5 छिड़काव द्रव तैयार करने के लिए साफ पानी उपयोग किया जाए और द्रव को छान लिया जाए । यह अति आवश्यक है कि घोल तैयार करने वाले चूर्ण को पहले थोड़े से पानी में मिलाया जाए जिससे कि पानी की अधिक मात्रा डालने से पूर्व उसकी इकसार लेई सी तैयार हो जाए ।

5.6 टंकी से भरे छिड़काव द्रव को अच्छी तरह हिला लिया जाए ।

5.7 प्लास्टिक होज अथवा अन्य प्लास्टिक के भागों को लगाते समय कठिनाई होने पर अधिक जोर का उपयोग न किया जाए । यह सिफारिश की जाती है कि उन्हें लगाने से पूर्व कुछ देर के लिए गर्म पानी में डुबा लिया जाए, जिससे वे चटक न जाएँ ।

5.8 पीठ पर लादने वाले उपकरण के संबंध में उपकरण को चालक की पीठ पर सही और आरामदायक स्थिति में लगा दिया जाए ।

5.9 दो स्ट्रोक वाले पेट्रोल के इंजनों के लिए केवल निर्धारित ईंधन और तेल के मिश्रण का उपयोग किया जाए । ईंधन और तेल, टंकी में अलग-अलग न डाले जाएँ । गिरे हुए ईंधन और तेल को अच्छी तरह साफ कर लिया जाए ।

6. उपकरण इस्तेमाल करते समय समायोजन कार्य

6.1 द्रव चालित छिड़काव यंत्र उपयोग करते समय नोजल की सेटिंग की जाँच कर ला जाय ।